दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जन आंदोलन बनाएं... एक व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाएं।

वर्ष - 17, अंक - 13 | आषाढ़ कृष्ण पक्ष तृतीया विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 03 से 09 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8, रू. 3:00

कबीरधाम के गंडईखुर्द से वीबी-जी राम जी योजना का हुआ राज्य स्तरीय शुभारंभ

रायपुर (दिव्य आकाश)।

ग्रामीण परिवारों को रोजगार और आजीविका की नई गारंटी देने वाली विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण(वीबी-जी राम जी) योजना का राज्य स्तरीय शुभारंभ आज कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गंडईखुर्द से किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राष्ट्रीय स्तर पर योजना का शुभारंभ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति से किया। इस दौरान वे वर्चुअल माध्यम से ग्राम पंचायत गंडईखुर्द में आयोजित राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह से भी जुड़े रहे।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) योजना लागू हो रही है। इस योजना का उद्देश्य है कि देश का कोई भी गरीब काम के अभाव में बेरोजगार न रहे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना से जहां ग्रामीण मजदूरों को 125 दिनों का रोजगार मिलेगा, वहीं गांवों में विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदलेगी। श्री चौहान ने कहा कि मजदूरों के पसीने का सम्मान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गरीबों की सेवा ही हमारे लिए भगवान की सेवा है।

चिकित्सा में आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय संवेदनाएं भी जरूरी - राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर (दिव्य आकाश)।

राज्यपाल रमेन डेका ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर आज विमतारा भवन में सिक्ख समाज छत्तीसगढ़ एवं जेसीआई रायपुर मेडिको सिटी द्वारा आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में चिकित्सकों का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का महत्व बढ़ा है, लेकिन रोगी के प्रति मानवीय संवेदनाएं, आत्मीय व्यवहार और नैतिक मूल्यों के साथ की गई चिकित्सा ही समाज का विश्वास मजबूत करती है।

चिकित्सा में आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय संवेदनाएं भी जरूरी

राज्यपाल ने कहा कि डॉक्टर का मधुर व्यवहार कई दवाइयों से भी अधिक प्रभावी होता है। मरीज के लिए चिकित्सक भगवान के समान होता है और उसे वास्तविक संतोष तभी मिलता है, जब डॉक्टर स्वयं उसका शारीरिक परीक्षण कर उसकी स्थिति को समझे। उन्होंने कहा कि आधुनिक जांच तकनीकों का अपना महत्व है, लेकिन मरीज का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से उपचार भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि देश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन फैमिली डॉक्टर अथवा पड़ोस के डॉक्टर की परंपरा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। इस परंपरा को बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि ऐसे चिकित्सक परिवारों के स्वास्थ्य और विश्वास का महत्वपूर्ण आधार होते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चिकित्सक इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर अनेक रोगों की रोकथाम की जा सकती है।

उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताते हुए कहा कि चिकित्सकों को इस दिशा में विशेष ध्यान देना होगा। मोबाइल और इंटरनेट की बढ़ती लत पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इनका उपयोग केवल आवश्यकता के अनुसार होना चाहिए। एआई अनेक क्षेत्रों में उपयोगी है, लेकिन मानव मस्तिष्क की संवेदनशीलता, विवेक और निर्णय क्षमता का कोई विकल्प नहीं हो सकता।

राज्यपाल ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को सोचनीय बताते हुए कहा कि नशे की लत से ग्रस्त लोगों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करते हुए उनका उपचार और पुनर्वास सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सिक्ख समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना भी की।

राज्यपाल ने सिक्ख समाज के कार्यक्रम में समाज के चिकित्सकों तथा जेसीआई रायपुर मेडिको सिटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, जेसीआई रायपुर मेडिको सिटी के अध्यक्ष डॉ. निखिल मोती रामानी, सचिव डॉ. अविनाश तिवारी, सिक्ख समाज के अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाबड़ा, एम्स रायपुर के निदेशक डॉ. अशोक जिंदल, रिम्स के निदेशक डॉ. कृष्ण कुमार वाधवा, वरिष्ठ चिकित्सक, सिक्ख समाज के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया जागरूकता का संदेश

कार्यक्रम के दौरान वीबी-जी राम जी योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, युवा तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मानव श्रृंखला बनाकर योजना का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने बम्हनीडीह के विकास की नई यात्रा का किया शुभारंभ

हसदेव नदी पर पुल, बिजली विभाग का सब डिवीजन और मंगल भवन की घोषणा

जांजगीर/बम्हनीडीह (दिव्य आकाश)।

स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र की सबसे सशक्त कड़ी है और नगर पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं, बल्कि नागरिकों की आकांक्षाओं को धरातल पर उतारने का प्रभावी माध्यम हैं। नवगठित नगर पंचायत बम्हनीडीह के प्रथम जनप्रतिनिधियों के कंधों पर केवल एक नगर के विकास की नहीं, बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति और जनविश्वास की नींव रखने की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह में नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश कुमार डडसेना एवं सभी पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें दायित्व सौंपा है, उसका प्रतिफल पारदर्शी प्रशासन, संवेदनशील कार्यशैली और विकास के रूप में दिखाई देना चाहिए।

समारोह में कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, विधायक किरण सिंह देव ने भी जनता को संबोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, नारायण चंदेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बम्हनीडीह के विकास को नई गति देने वाली तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए दहिदा-बम्हनीडीह के बीच हसदेव नदी पर पुल निर्माण, बिजली विभाग का सब डिवीजन कार्यालय तथा सर्वसुविधायुक्त मंगल भवन के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल आधारभूत संरचनाओं का विस्तार करना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधासंपन्न बनाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में विकास को नई गति देते हुए हर वर्ग के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को पक्के घर, किसानों को उनकी उपज का सम्मानजनक मूल्य, महिलाओं को महतारी वंदन योजना के जरिए आर्थिक संबल तथा युवाओं के लिए रोजगार और अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण केवल बड़े शहरों के विकास से नहीं, बल्कि बम्हनीडीह जैसे उभरते नगरों को सशक्त बनाने से होगा। राज्य सरकार ऐसे सभी नगरीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, बेहतर नागरिक सेवाओं और सुनियोजित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

एक के बाद एक जघन्य वारदातों से दहला कोरबा, कानून व्यवस्था पर कांग्रेस का तीखा प्रहार

मुख्यमंत्री को पत्र लिख शहर अध्यक्ष ने सिलसिलेवार अपराध गिनाए, शीर्ष पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग

कोरबा (दिव्य आकाश)।

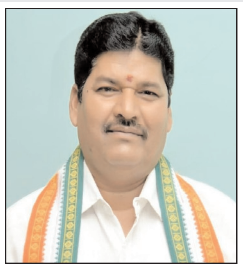

कांग्रेस के कोरबा शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर ने जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को लेकर कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में उन्होंने कहा कि कोरबा में हत्या, लूट, जानलेवा हमले और महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। इससे आम लोगों में भय का माहौल है और अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद हो रहे हैं।

राठौर का आरोप है कि जिले की कानून व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में असफल साबित हो रहे हैं। उन्होंने पत्र में कई चर्चित मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों की कोयला खदानों में भी अपराधियों का दबदबा दिखाई दे रहा है। सरायपाली कोयला खदान में गुटीय संघर्ष के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं खदानों में घुसकर सुरक्षा बल के जवानों को बंधक बनाकर डीजल और कबाड़ लूटने जैसी घटनाएं सामने आईं। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि कुछ मामलों में पुलिस कर्मियों की मिलीभगत सामने आने पर उनके खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज करनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि अपराध केवल खदान क्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं। शहर और ग्रामीण इलाकों में भी अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। कबाड़ चोर रशियन हॉस्टल के पास से रातोंरात लोहे का विशाल पुल काटकर ले गए। कटघोरा के घुंचापुर में भाजपा नेता अक्षय गर्ग की हत्या और रजगामार में महिला का सिर काटकर गांव में घुमाने की घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया। राठौर ने कहा कि शहर के सीतामढ़ी स्थित मोतीसागर पारा में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पवन टॉकीज रेलवे क्रासिंग के पास एक नशेड़ी ने लाठी से सिर कुचलकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, एक नशेड़ी कोतवाली थाने में घुसकर आधे घंटे से अधिक समय तक हंगामा करता रहा। सिल्वर सेंटर के संचालक की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। स्क्रैप व्यापारी अशरफ समेत तीन लोगों की एक के बाद एक हत्या की घटनाओं ने भी लोगों को दहला दिया। उन्होंने चैतमा की उस सनसनीखेज घटना का भी उल्लेख किया, जिसमें सऊदी अरब से युवक को प्रेमिका के माध्यम से बुलाकर उसकी हत्या कर दी गई और शव के 17 टुकड़े कर दिए गए।

राठौर ने कहा कि ये तो केवल कुछ प्रमुख और चर्चित घटनाएं हैं। पिछले ढाई वर्षों के दौरान जिले में इसी तरह के सैकड़ों गंभीर आपराधिक मामले सामने आ चुके हैं। उनका आरोप है कि लगातार हो रही इन वारदातों के बावजूद अपराध पर प्रभावी अंकुश नहीं लग सका, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना लगातार बढ़ती जा रही है।

महिला सुरक्षा पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि बालको में एक किशोरी को ब्लैकमेल कर 10 लोगों ने दुष्कर्म किया। वहीं हाल ही में पंप हाउस क्षेत्र में घर लौट रही एक युवती पर रास्ते में चाकू से हमला किया गया। राठौर ने कहा कि अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रास्ते से वाहन नहीं हटाने पर पुलिस अधिकारी के बेटे को बोलेरो से कुचल दिया गया। हाल ही में कोसाबाड़ी के भाजपा नेता पर आदतन अपराधी ने जानलेवा हमला कर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि नवपदस्थ कोतवाली थाना प्रभारी का कुछ घंटों के भीतर राजनीतिक दबाव में तबादला होना पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। उन्होंने हालिया लूट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ज्वेलरी दुकान में तीन बदमाश जिस दुस्साहस के साथ कट्टा लेकर घुसे, उसका सीसीटीवी फुटेज पूरे प्रदेश ने देखा। यह घटना बताती है कि अपराधियों में पुलिस का भय लगभग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि यदि दुकान संचालक साहस नहीं दिखाता और बदमाश का कट्टा नहीं छीनता तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

मुकेश राठौर ने मुख्यमंत्री से पूरे घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए जिले की कानून व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा कराने, शीर्ष पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिक्षा के मंदिर में गूंजी किलकारी, प्राथमिक शाला बिंझवारपारा दीपका में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

दीपका (दिव्य आकाश)।

शिक्षा के प्रति बच्चों में उत्साह जगाने और उन्हें स्कूल की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से आज शासकीय प्राथमिक शाला बिंझवारपारा संकुल दीपका में शाला प्रवेश उत्सव का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद कमलेश कुमार जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

परंपरागत स्वागत से खिले नौनिहालों के चेहरे

कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशित बच्चों के आत्मीय स्वागत के साथ हुई, स्कूल की चौखट पर पहली बार कदम रख रहे मासूम बच्चों का भारतीय परंपरा के अनुसार माथे पर तिलक लगाकर, आरती उतारकर और मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया। इस आत्मीयता को पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। मुख्य अतिथि कमलेश कुमार जायसवाल ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए शासन की योजना के तहत नि:शुल्क स्कूल यूनिफॉर्म (गणवेश) एवं पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं।

प्रतिभाओं का सम्मान और न्योता भोजन की अनूठी पहल

यह उत्सव न केवल नए बच्चों के स्वागत का माध्यम बना बल्कि स्कूल की सफलताओं को भी रेखांकित कर गया। शाला से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लिए चयनित हुए प्रतिभावान विद्यार्थियों का मंच पर विशेष रूप से सम्मान किया गया, ताकि अन्य बच्चे भी इससे प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत स्कूल में न्योता भोजन का भी विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को सुरुचिपूर्ण भोजन कराया गया। इस पहल ने कार्यक्रम में सामुदायिक अपनेपन का एक नया रंग भर दिया।

वार्ड पार्षद कमलेश जायसवाल ने कहां कि ऐसे गरिमामयी कार्यक्रम बच्चों को न सिर्फ विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उनके मन में शिक्षा के प्रति एक सकारात्मक रुचि भी पैदा करते हैं। आज के बच्चे ही कल के सशक्त भारत का निर्माण करेंगे ।

इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में शाला परिवार और प्रबंधन समिति का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान शाला के प्रधान पाठक सूर्य भूषण प्रताप सिंह, सहायक शिक्षक पोखराज सिंह कंवर, शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष कौशल्या बिंझवार, मधु सोनी, महाविद्या सागर बिंझवार, सविता कुर्रे सहित बड़ी संख्या में जागरूक अभिभावक और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

सभी उपस्थित जनों ने बच्चों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और उनके उज्ज्वल व सफल भविष्य की मंगलकामना की।

कोरबा में भाजपा किसान मोर्चा के मंडल मंत्री पर हमला:60 हजार रुपये लूटे, लाठी-डंडों से पीटा,कांग्रेस नेता के बेटे और पुलिस चालक पर आरोप

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के भुलसीडीह गांव में भाजपा किसान मोर्चा मंडल के मंत्री एवं पोल्ट्री फार्म व्यापारी कपिलेश्वर धीरज पर जानलेवा हमला कर मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावरों ने उनकी कार में तोड़फोड़ करने के बाद लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा और 60 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए।

घायल नेता को डायल-112 की मदद से जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

घर लौटते समय रास्ता रोककर किया हमला

जानकारी के अनुसार, भुलसीडीह निवासी कपिलेश्वर धीरज की निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के पास दुकान है। बुधवार देर रात दुकान बंद कर घर लौटते समय गांव के अरुण खांडे, संदीप कुमार और उनके साथियों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले उनकी कार में तोड़फोड़ की, फिर लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

60 हजार रुपये लूटने का आरोप

पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनके पास रखे 60 हजार रुपये नकद भी लूट लिए। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद वह बेहोश हो गए। आरोपियों ने उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गए। बाद में राहगीरों ने उन्हें देखा और डायल-112 को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस उन्हें अस्पताल लेकर पहुंची।

नशे के कारोबार का विरोध बना वजह

कपिलेश्वर धीरज ने बताया कि निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज में बाहर से आए मजदूर काम करते हैं। उनका आरोप है कि कॉलेज परिसर और आसपास के गांवों में गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों की सप्लाई की जा रही है, जिससे स्थानीय बच्चे भी नशे की चपेट में आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इसी मुद्दे को लेकर उन्होंने अरुण खांडे और संदीप कुमार को समझाइश दी थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर हमला कर दिया।

कांग्रेस नेता के बेटे और पुलिस चालक पर आरोप

घायल भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी अरुण खांडे एक कांग्रेस नेता का बेटा है, जबकि संदीप कुमार पुलिस चौकी में सरकारी वाहन चालक है। उनका कहना है कि संदीप अपने पद का रौब दिखाकर उन्हें लगातार धमका रहा था। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से उन्हें इस हमले का सामना करना पड़ा।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमले और लूट के आरोपों की जांच की जा रही है तथा आरोपियों की तलाश जारी है।

बेकाबू ट्रेलर के पहियों तले कुचलकर ड्राइवर की मौत

कोरबा (दिव्य आकाश)। कोरबा के बालको थाना क्षेत्र के रिंग रोड पर गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रेलर ड्राइवर की पहियों के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची बालको पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ट्रेलर क्रमांक CG 12 AW 2243 मानिकपुर खदान से कोयला लेकर बालको प्लांट पहुंचा था। दोपहर करीब 1 बजे चालक संतोष कुमार खैरवार (47), निवासी कोरबा, रिंग रोड स्थित शर्मा पेट्रोल पंप के पास ट्रेलर खड़ा कर नीचे उतरा। इसी दौरान ट्रेलर अचानक बिना चालक के आगे बढ़ने लगा। वाहन को आगे बढ़ता देख संतोष कुमार उसे रोकने के लिए दौड़ा, लेकिन जल्दबाजी में उसका पैर फिसल गया। संतुलन बिगड़ने से वह सीधे ट्रेलर के पहियों के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ड्राइवर ने ट्रेलर को रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन वाहन पर नियंत्रण नहीं हो सका। ब्रेक नहीं लगने और सड़क पर फिसलन के कारण वह हादसे का शिकार हो गया। घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

भाजपा नेता ने भी उठाए सवाल: कोरबा जिले में दिनदहाड़े ज्वेलर्स प्रतिष्ठान में लूट का दुस्साहसिक प्रयास, अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग

कोरब (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के प्रदेश सह संयोजक राजेश यादव ने कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत छुरी बाजार स्थित राज ज्वेलर्स में दिनदहाड़े हुई लूट के दुस्साहसिक प्रयास को प्रदेश की कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए गृह मंत्री विजय शर्मा को पत्र प्रेषित कर अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि 01 जुलाई 2026 को तीन नकाबपोश अपराधियों ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत ग्राहक बनकर दुकान में प्रवेश किया तथा हथियारों, मिर्च पाउडर, चाकू एवं कट्टे के बल पर लूट की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया। किंतु दुकान संचालक राजकुमार अग्रवाल के अदम्य साहस, धैर्य एवं सतर्कता के कारण अपराधियों की मंशा सफल नहीं हो सकी और एक बड़ी आपराधिक घटना टल गई।

राजेश यादव ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ केवल व्यापारियों पर हमला नहीं, बल्कि समाज में भय, असुरक्षा और अराजकता का वातावरण निर्मित करने का सुनियोजित प्रयास हैं। यदि ऐसे दुस्साहसी अपराधियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो अपराधियों के हौसले और अधिक बुलंद होंगे तथा आम नागरिकों का कानून-व्यवस्था पर विश्वास प्रभावित होगा।

उन्होंने गृह मंत्री से मांग की है कि घटना में संलिप्त सभी अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाए तथा जिले के प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पुलिस गश्त, प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था और सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए।

राजेश यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व तथा गृह मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार इस जघन्य अपराध के आरोपियों को शीघ्र कानून के शिकंजे में लाकर प्रदेश की जनता में सुरक्षा, न्याय और सुशासन के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

रामपुर में बिजली से 6 साइबेरियन पक्षियों की मौत

कोरबा (दिव्य आकाश)। कोरबा जिले के करतला थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में गुरुवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से 6 साइबेरियन पक्षियों की मौके पर ही मौत हो गई। गरज-चमक के साथ हुई बारिश के दौरान दशहरा चौक स्थित एक इमली के पेड़ पर बिजली गिरी। इस दौरान पेड़ पर बड़ी संख्या में साइबेरियन पक्षी बैठे थे।

ग्रामीणों के अनुसार, हर साल बारिश से पहले साइबेरियन पक्षियों का समूह हजारों किलोमीटर का सफर तय कर कोरबा के कनकी क्षेत्र पहुंचता है। रामपुर के ग्रामीण इन पक्षियों को शुभ मानते हैं और इनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हैं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान : बूथ क्रमांक 172 में 100 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई

कोरबा (दिव्य आकाश)।

वार्ड क्रमांक-2 में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2026 के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा लगाए गए कैंप में 100 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी गई, जिसमें मितानिन श्रीमती कमला पटेल, बी.एससी. नर्सिंग छात्रा रुबीना मसीह, जेनिफर राम, विमला योगेश्वरी संस्कारम् की संरक्षिका चित्रलेखा चंदेल तथा संस्कारम् की अध्यक्ष आकांक्षा चंदेल ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने अभिभावकों को पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक करते हुए प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने हेतु समर्पित भाव से सहयोग किया तथा समाज से अपील की कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। 'हर बच्चा, हर बार - पोलियो की दो बूंद ज़रूर' के संदेश के साथ अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

हृदय रोगियों के लिए वरदान बनी एनकेएच की कैथलैब सुविधा

कोरबा में पहली बार 3 मरीजों में सफल एआईसीडी प्रत्यारोपण

अब स्थानीय स्तर पर हो रहा उन्नत हृदय उपचार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शहर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एनकेएच में कैथलैब सुविधा शुरू होने के बाद हृदय रोगियों को बड़े शहरों जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होने लगी हैं। इससे गंभीर मरीजों को रायपुर या अन्य महानगरों में उपचार के लिए भटकना नहीं पड़ रहा और समय पर इलाज मिलने से जीवन रक्षा आसान हो रही है।

भीषण गर्मी, अनियमित खान-पान और बदलती जीवनशैली के कारण इन दिनों हृदय संबंधी समस्याओं के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। कई लोग सीने में जलन, गैस, अपच और बेचैनी को सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि कई मामलों में ये हार्ट अटैक के शुरुआती संकेत साबित हो रहे हैं। पिछले सप्ताह एनकेएच में 15 से अधिक हृदय रोगी पहुंचे, जिनका विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में तत्काल उपचार किया गया।

रायपुर से आने वाले कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सतीश सूर्यवंशी एवं डॉ. एस.एस. मोहंती की टीम द्वारा मरीजों की जांच के बाद 5 मरीजों की एंजियोप्लास्टी और 5 मरीजों की एंजियोग्राफी की गई। इसके अलावा एक मरीज में सफलतापूर्वक पेसमेकर प्रत्यारोपित किया गया। विशेष उपलब्धि के रूप में कोरबा में पहली बार अब तक 3 मरीजों में एआईसीडी (ऑटोमेटिक इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर) प्रत्यारोपण भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

जिले की पहली कैथ लैब सुविधा शुरू होने से अब हृदय रोगियों का समग्र उपचार-डॉ. चंदानी

एनकेएच ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि जिले की पहली कैथलैब सुविधा शुरू होने से अब कोरबा में ही हृदय रोगों का समग्र और उन्नत उपचार संभव हो गया है। इससे मरीजों का समय, धन और अनावश्यक परेशानी बच रही है, वहीं गंभीर परिस्थितियों में तत्काल उपचार मिलने से बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

क्या है एआईसीडी

एआईसीडी एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिसे छाती में प्रत्यारोपित किया जाता है। यह हृदय की धड़कनों पर लगातार नजर रखता है और खतरनाक अनियमित धड़कन या अचानक हृदय गति रुकने की स्थिति में विद्युत झटका देकर दिल की सामान्य लय बहाल करता है। यह उपकरण कई मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार मई माह में कैथलैब में 17 मरीजों की एंजियोग्राफी, 12 मरीजों की एंजियोप्लास्टी तथा एक मरीज का पेसमेकर प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया। कैथलैब सुविधा शुरू होने के बाद से अब तक एनकेएच में 400 से अधिक एंजियोग्राफी और 200 से ज्यादा एंजियोप्लास्टी की जा चुकी हैं।

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
एक पेड़ माँ के नाम
अभियान को
जन आंदोलन बनाएं...
एक व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाएं।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष तृतीया विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 03 से 09 जुलाई 2026

भागवत बोले- विभाजन के बाद भारत आए लोग शरणार्थी नहीं

नागपुर, एजेंसी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान से भारत आने वाले लोगों को शरणार्थी कहना सही नहीं है। वे 'संघर्ष के योद्धा' थे, जिन्होंने कई पीढ़ियों की बनाई जमीन, कारोबार और संपत्ति छोड़कर भारत को चुना।

उन्होंने कहा कि ये लोग इसलिए भारत आए, क्योंकि यहां बिना डर अपने धर्म का पालन कर सकते थे। भारत को एक रखने की लड़ाई हम सब हार गए थे, लेकिन उन्होंने अपना विश्वास नहीं छोड़ा।

भागवत ने बुधवार को नागपुर में सिंधु एजुकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह में ये बातें कही। इसी दौरान RSS ने 10 से 12 जुलाई तक कर्नाटक के बेलगावी में होने वाली अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का भी ऐलान किया।

शिक्षा का मकसद केवल रोजगार नहीं, अच्छे इंसान बनाना है। सही-गलत की पहचान सिर्फ किताबों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के व्यवहार और उनके दिए संस्कारों से भी होती है। इसाान के हालात या किस्मत के सामने हार नहीं माननी चाहिए। मुश्किलों से लड़ने वाला ही आगे बढ़ता है, जबकि चुनौतियों से भागने वाला पहले ही हार मान लेता है। RSS के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों के तहत भागवत शुक्रवार को प्रचारकों के जीवन पर आधारित 100 वीडियो जारी करेंगे। इसी दिन 'डॉ. हेडगेवार : आधुनिक युग के शालिवाहन' शीर्षक यूट्यूब वीडियो का सार्वजनिक प्रसारण भी होगा।

मोदी बोले- सुजुकी दो तिहाई कारें भारत में बना रही, जापान की मदद से देश में खाद के 1000 कारखाने लगेंगे, पीएम ने ताकाइची को बहन कहा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और जापान ने आर्थिक साझेदारी को नई रफ्तार देने का फैसला किया है। भारत-जापान जॉइंट इकोनोमिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी कंपनियों की दिक्कतें दूर करने के लिए 'जापान बिजनेस वीक' शुरू करने का ऐलान किया। इसके तहत PMO के सीनियर अधिकारी सीधे जापानी निवेशकों से बातचीत करेंगे।

मोदी ने कहा कि आज दुनिया में बिकने वाली सुजुकी की दो-तिहाई कारें भारत में बन रही हैं और इन्हें 100 से ज्यादा देशों में

निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जापान के सहयोग से देश में करीब 1000 खाद (फर्टिलाइजर) कारखाने लगाए जाएंगे।

दोनों देशों ने अगले 10 साल में भारत में 10 ट्रिलियन येन के जापानी निवेश का लक्ष्य भी रखा है। पीएम मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने हरियाणा के खरखौदा में मारुति सुजुकी के चौथे वाहन निर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन की शुरुआत में पीएम मोदी ने साने ताकाइची को अपनी 'छोटी बहन' कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की तकनीक, निवेश और उत्पादन क्षमता का मेल दोनों देशों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए भी फायदेमंद साबित होगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर फैसला 2-3 महीनों में

सरकार बोली- ईरान जंग में खरीदा महंगा कच्चा तेल ही प्रोसेस हो रहा, रू. 74,781 करोड़ घाटा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम होंगी या नहीं, इस पर फैसला अगले दो-तीन महीनों में ही लिया जा सकता है। अभी कुछ भी कहना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि ईरान जंग के समय जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे थे, तब भारतीय तेल कंपनियों ने महंगे दामों पर कच्चा तेल खरीदा। रिफाइनरियां अभी उसी महंगे स्टॉक को प्रोसेस कर रही हैं।

लागत से कम दाम पर तेल-गैस बेचने की वजह से देश की सरकारी तेल कंपनियों को 30 जून तक 74,781 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते के बाद क्रूड ऑयल की कीमतें नीचे आने लगी हैं। अगर यही पैटर्न 2-3 महीने तक चला तो कुछ महीनों में तेल कीमतों में राहत की उम्मीद है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे बेटे मुजतबा

इजराइली हमले का खतरा, 7 दिन बाद दफनाए जाएंगे पूर्व सुप्रीम लीडर

तेहरान, एजेंसी।

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई सुरक्षा कारणों से अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे। यह जानकारी ईरान के सुप्रीम लीडर के एक प्रतिनिधि के हवाले से सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक,

सुरक्षा एजेंसियों को इजराइली हमले का डर है इसलिए उन्होंने मुजतबा को अंतिम संस्कार समारोह से दूर रहने की सलाह दी है। हालांकि, इस बारे में अभी आधिकारिक तौर पर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है।

अयातुल्ला अली खामेनेई को 9 जुलाई को मशहद शहर में दफनाया जाएगा। उनके अंतिम संस्कार कार्यक्रम की शुरुआत 4 जुलाई से होगी। भारत सरकार की ओर से विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

नकटी में बारिश के बीच टूटे घर में परिवार

बृजमोहन बोले- मकान तोड़ने वाले अधिकारियों को माफी नहीं, ग्रामीणों से मिले सिंहदेव

रायपुर, एजेंसी।

नकटी गांव के 80 घरों पर बुलडोजर चले 3 दिन हो गए हैं। बेघर हुए कई परिवार बारिश में अपने टूटे घर के अंदर बैठे नजर आए। प्रभावितों का अभी भी प्रदर्शन जारी है। कार्रवाई के विरोध में अपने गांव में बारिश और कीचड़ के बीच धरने पर बैठे हुए हैं। गुरुवार को पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने गांव पहुंचकर उनसे मुलाकात की। वहीं, भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने तोड़फोड़ की कार्रवाई पर कहा, रात के अंधेरे में घर तोड़ने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। बृजमोहन ने कहा कि मैं आज भी नकटी गांव के ग्रामीणों के साथ खड़ा हूं।

बता दें कि बेघर हुए लोगों को प्रशासन ने EWS मकान दिए हैं। हालांकि सभी प्रभावितों को मकान नहीं मिला है। ग्रामीणों के मुताबिक, इन घरों में किसी तरह की सुविधाएं नहीं हैं। घर इतने छोटे हैं कि उनमें परिवार का रह पाना संभव नहीं है। इसके विरोध में बुधवार रात तक ग्रामीण कलेक्ट्रेट के सामने धरने पर बैठे थे।

राममंदिर ट्रस्टी अनिल मिश्रा से बंद कमरे में पूछताछ

एसआईटी ने गोपाल राव को बाहर बैठाया, चढ़ावा चोरी के दो आरोपियों के घर बुलडोजर एक्शन की तैयारी

अयोध्या, एजेंसी।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच तेज हो गई है। गुरुवार को ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा से मंदिर के एक बंद कमरे में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) पूछताछ कर रही है। वहीं, आमंत्रित ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव को कमरे के बाहर बैठाया गया है। इससे पहले रविवार को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से करीब 3 घंटे पूछताछ हुई थी। अब उनके बयानों का मिलान करने और आरोपियों लवकुश मिश्रा व अनुकल्प मिश्रा की नियुक्ति में ट्रस्ट पदाधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है। एसआईटी गुरुवार दोपहर 3 बजे राम मंदिर पहुंची थी। इससे पहले टीम 15 से 20 जून तक भी मामले की जांच कर चुकी है।

प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती-किसानी में तेजी

रायपुर (दिव्य आकाश)। प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती किसानी का कार्य तेजी के साथ शुरू हो गया है। राज्य में 02 जुलाई की स्थिति में 6.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 13 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। प्रदेश के

राज्य में 6.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लक्ष्य का 13 प्रतिशत बोनी पूर्ण

किसानों को अब तक 7.28 लाख मीट्रिक टन खाद और 3.09 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। इस खरीफ सीजन में राज्य सरकार ने 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा है।

सुविचार अगर जिंदगी में कुछ पाना हो,
तो तरीके बदलो, इरादे नहीं...।

नमक रोटी खाना, लेकिन शिक्षा ही चुनना

जीवन में कई कठिनाईयां आएंगी, आर्थिक स्थिति भी खराब होगी, लेकिन अभिभावकों को कठिन परिस्थिति में भी अपने बच्चों को स्कूल भेजने का संकल्प करना होगा, क्योंकि बच्चों की खुशी और सुनहरा भविष्य सिर्फ शिक्षा में ही छुपा हुआ है।

डॉ. गजेन्द्र तिवारी, प्राचार्य/शिक्षाविद-छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल पाली

भारत के लिए राहत

पश्चिम एशिया भू राजनीतिक तनाव के बाद भारत के लिए राहत भरी खबर है। जून में भारत ने रिकार्ड आयात किया और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी आई। उधर ट्रम्प ने भी पेट्रोलियम कम्पनियों को पेट्रोलियम पदार्थों में कमी करने के आदेश दिए हैं। हालांकि उनका आदेश अमेरिका तक ही सीमित है, लेकिन इसका असर युद्ध से प्रभावित देशों में भी होगा। भारत को आयातित पेट्रोलियम पदार्थों में भी कमी आई है और भारत की जनता को आस है कि जल्द ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी होगी और भारत सरकार तथा तेल कम्पनियां पेट्रोल-डीजल में राहत देते हुए कीमतों में कमी करेंगी। बीते जून में भारत ने प्रतिदिन 49.3 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया। ऊर्जा खुफिया कम्पनी केप्लर ने यह आंकड़ा जारी किया है और इससे आम जनता को राहत मिलने की उम्मीद है। एजेंसी ने बताया कि भारत ने रूस से सबसे ज्यादा पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति की है।

पेट्रोलियम पदार्थों की दरों में आई कमी से आम जनता को राहत मिलने की उम्मीद है। देखना होगा कि पेट्रोलियम कम्पनियां कब आम जनता को राहत देंगी।

-संपादक

प्रकृति की गोद में बसा जशपुर का अनुपम पर्यटन स्थल रानीदाह

छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला अपनी प्राकृतिक संपदा, घने वनों, पहाड़ियों और मनमोहक जलप्रपातों के लिए पूरे प्रदेश में विशेष पहचान रखता है। इन्हीं प्राकृतिक धरोहरों में शामिल है रानीदाह जलप्रपात, जो अपनी अलौकिक सुंदरता, शांत वातावरण और ऐतिहासिक लोककथाओं के कारण पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। जशपुर नगर से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह पर्यटन स्थल प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफी के शौकीनों और रोमांच पसंद पर्यटकों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

रानीदाह तक पहुँचने का सफर भी अपने आप में यादगार अनुभव है। हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों, घने साल के जंगलों और घुमावदार खूबसूरत सड़कों से गुजरते हुए जैसे ही पर्यटक इस स्थल पर पहुँचते हैं, सामने ऊँची चट्टानों से गिरती दूधिया जलधारा, चारों ओर फैली हरियाली और पक्षियों का मधुर कलरव मन को सुकून से भर देता है। विशेषकर वर्षा ऋतु में यह जलप्रपात अपने पूरे वैभव में दिखाई देता है, जब पानी अनेक धाराओं में विभाजित होकर ऊँचाई से नीचे गिरता है और अद्भुत प्राकृतिक दृश्य प्रस्तुत करता है।

लोककथा से जुड़ी है रानीदाह की पहचान

रानीदाह केवल प्राकृतिक सौंदर्य का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि यह स्थानीय लोककथाओं और जनश्रुतियों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। प्रचलित मान्यता के अनुसार, बहुत समय पहले ओडिशा की राजकुमारी रानी शिरोमणि इन पहाड़ियों तक पहुँची थीं। जब उनके पिता और पाँच भाई उनका पीछा करते हुए यहाँ आए, तब रानी ने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए इसी गहरी खाई में छलांग लगाकर अपने प्राण त्याग दिए। तभी से इस स्थान का नाम रानीदाह पड़ा, जिसका अर्थ है 'रानी का जलप्रपात'। झरने के समीप स्थित कुछ चट्टानों को आज भी स्थानीय लोग 'पाँच भैया' के नाम से जानते हैं, जिन्हें रानी के पाँच भाइयों का प्रतीक माना जाता है। यह लोककथा आज भी क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

प्रकृति प्रेमियों और परिवारों के लिए आदर्श पर्यटन स्थल

रानीदाह जलप्रपात अपने शांत वातावरण, स्वच्छ प्राकृतिक परिवेश और मनोहारी दृश्यों के कारण परिवारों, युवाओं और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श पिकनिक स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। यहाँ आने वाले पर्यटक प्रकृति के बीच सुकून के पल बिताने के साथ-साथ यादगार फोटोग्राफी और ट्रैकिंग का भी आनंद लेते हैं। सप्ताहांत और वर्षा ऋतु में यहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक पहुँचते हैं।

जशपुर पर्यटन की बढ़ती पहचान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जशपुर जिले के रानीदाह जैसे प्राकृतिक पर्यटन स्थल प्रदेश की पर्यटन पहचान को नई ऊँचाइयाँ दे रहे हैं। यदि आप प्रकृति की अनुपम छटा, शांत वातावरण और लोक संस्कृति का अनूठा अनुभव एक साथ लेना चाहते हैं, तो जशपुर का रानीदाह जलप्रपात निश्चित रूप से आपकी यात्रा सूची में शामिल होना चाहिए।

हाल ही में अनन्या पांडे ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें फैंस की तरफ से भरपूर प्यार मिल रहा है।

देवों के देव महादेव में सती का किरदार निभा कर मौनी रॉय ने घर-घर में खूब नाम कमाया। अपनी तलाक की खबरों के बाद अब मौनी रॉय अपनी वेब सीरीज 'अब होगा हिसाब' को लेकर काफी चर्चाओं में हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव : सरल, सादगी और संवेदनशीलता के साथ विकास यात्रा का सशक्त नेतृत्व

किसान परिवार से निकलकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना से जनता के बीच एक अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री श्री साय का सार्वजनिक जीवन सादगी, जनसेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। लंबे समय तक जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, वनवासियों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सत्ता के शीर्ष पद पर होने के बावजूद उनकी सादगी और सहजता आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री श्री साय आम जनता से सीधे संवाद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं। जनदर्शन, सुशासन तिहार और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करते हैं। बुजुर्गों के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्परता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है।

आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री श्री साय अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांवों में बैठकर लोगों से चर्चा करना, उनकी समस्याओं को समझना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

पिछले ढाई वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनकल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना, निवेश और सुशासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 8,200 करोड़ रूपये का बजट महतारी वंदन योजना के लिए आवंटित किया है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार ला रही है।

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। राज्य सरकार ने धान खरीदी को प्राथमिकता देते हुए किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की तथा लाखों किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया।

प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ी पहल करते हुए लाखों आवासों को स्वीकृति प्रदान की। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तेज गति से चल रहे निर्माण कार्यों के चलते प्रदेश में लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

बस्तर के जंगलों में उत्पादित होने वाले तेंदूपत्ता, आदिवासी समाज की जिंदगी का अहम हिस्सा है। इसी तेंदूपत्ता के सहारे हजारों गांवों में गर्मियों के महीनों में रोज़गार मिलता है। इस काम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होती हैं, जिससे परिवार की कुल आय में संतुलन बनता है। यही वजह है कि तेंदूपत्ता संग्रहण को सरकार ग्रामीण रोजगार का मजबूत जरिया मानती है। राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बड़ी रहत देते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण दर में अहम बदलाव किया है। पूर्व में मिलने वाली राशि को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये किया है। यह बढ़ोतरी सीधे-सीधे संग्राहकों लाभ पहुंचा रही है। जानकारों के अनुसार पहले बढ़ती महंगाई के मुकाबले संग्रहण की दर कम पड़ रही थी, लेकिन नई दर से मजदूरी और मेहनत का बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षा के साथ-साथ संवेदनशील पुनर्वास और विकास पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। नक्सली सरेंडर, विक्टिम रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पॉलिसी-2025 के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर तथा आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक और मुख्यधारा से जुड़ा जीवन प्रदान किया जा रहा है।

एक नवंबर 2024 से लागू छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 राज्य को निवेश और उद्योगों के लिए नई पहचान दे रही है। न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के सिद्धांत पर आधारित यह नीति उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाती है।

व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, पूरी तरह ऑनलाइन आवेदन, समयबद्ध स्वीकृति और त्वरित प्रोसेसिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उद्यमियों को कम समय में आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त हो रही हैं और कारोबार करने में सुगमता बढ़ी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में मजबूत और आधुनिक परिवहन नेटवर्क के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य में रेल, सड़क और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे उद्योग, व्यापार, पर्यटन और आम नागरिकों की आवाजाही पहले से अधिक सुगम हुई है।

छत्तीसगढ़ सरकार राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों का निरंतर उन्नयन, नई सड़कों और पुलों का निर्माण तथा दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के प्रयासों ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। इससे माल परिवहन की लागत और समय में कमी आई है, जिससे उद्योगों और निवेशकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

राज्य शासन की पहल से रेल नेटवर्क के विस्तार और नई रेल परियोजनाओं के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों, खनिज संपदा वाले इलाकों और प्रमुख शहरों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, हवाई सेवाओं के विस्तार, नए एयर रूट और बेहतर विमानन सुविधाओं से राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच और भी मजबूत हुई है। बेहतर परिवहन अवसंरचना के कारण छत्तीसगढ़ आज निवेश, व्यापार और पर्यटन के लिए अधिक आकर्षक बन रहा है। यह मजबूत कनेक्टिविटी राज्य के समग्र आर्थिक विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ रोजगार और क्षेत्रीय विकास के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर रुख अपनाते हुए प्रशासनिक जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। योजनाओं में लापरवाही और अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत प्रशासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जन-केंद्रित बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित जांच, दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई, तथा अनियमितताओं में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की निगरानी को तकनीक आधारित बनाया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों मजबूत हुई हैं। इसके लिए ई-ऑफिस, सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, ई-गवर्नेंस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और जवाबदेह बनाया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने के लिए सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेश में कही भी औचक निरीक्षण की व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया है। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं जिला प्रशासन द्वारा नियमित औचक निरीक्षणों के माध्यम से जिलों के सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, राशन दुकानों और विभिन्न विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन किया जा रहा है।

इन निरीक्षणों के दौरान लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामलों में तत्काल कार्रवाई, जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं। इससे प्रशासनिक तंत्र में अनुशासन बढ़ा है और अधिकारियों की जवाबदेही पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है।

औचक निरीक्षणों के परिणामस्वरूप सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। आम नागरिकों को मिलने वाली सेवाओं में सुधार आया है तथा जनता का शासन व्यवस्था पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

सुशासन की इसी कार्य पद्धति के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करे तथा शासन की प्रत्येक योजना का लाभ समय पर और प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए युग की ओर तेजी से अग्रसर है। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुँचाना है। सुशासन, पारदर्शिता, निवेश, अधोसंरचना, कृषि, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के रोजगार और औद्योगिक विकास को केंद्र में रखकर राज्य में व्यापक परिवर्तन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नई औद्योगिक नीति, बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क, डिजिटल शासन, भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस, किसानों और महिलाओं के हित में लागू योजनाएँ तथा बुनियादी सुविधाओं का विस्तार विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं। जसं।

MBBS नहीं तो क्या ? इन कोर्सेंज के जरिए मेडिकल फील्ड में बना सकते हैं शानदार करियर

मेडिकल फील्ड में करियर बनाने का सपना देखने वाले ज्यादातर छात्रों की पहली पसंद MBBS होती है। हालांकि, सीमित सीटों और टफ कंप्टीशन के कारण कई छात्रों को MBBS कोर्स में एडमिशन नहीं मिल पाता है। हालांकि, परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप कई अन्य कोर्स करके भी इस फील्ड से जुड़े रह सकते हैं।

BDS (Bachelor of Dental Surgery)

यदि आपका रुचि दांतों और ओरल हेल्थ से जुड़ी चिकित्सा में है, तो BDS एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। यह कोर्स पूरा करने के बाद छात्र डेंटिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं या आगे स्पेशलाइज कोर्स कर सकते हैं।

BAMS (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery)

आयुर्वेद के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए BAMS एक लोकप्रिय ऑप्शन है। इस कोर्स में पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति और आधुनिक चिकित्सा के कुछ पहलुओं की पढ़ाई कराई जाती है।

BHMS (Bachelor of Homeopathic Medicine and Surgery)

होम्योपैथिक चिकित्सा में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए BHMS उपयुक्त कोर्स है। कोर्स पूरा करने के बाद छात्र होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में कार्य कर सकते हैं।

BPT (Bachelor of Physiotherapy)

फिजियोथेरेपी आज स्वास्थ्य क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। खेल चोट, सर्जरी के बाद रिकवरी और शारीरिक पुनर्वास में फिजियोथेरेपिस्ट की बड़ी भूमिका होती है। इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

BSc Nursing

नर्सिंग स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाती है। B.Sc Nursing करने के बाद छात्र अस्पतालों, क्लीनिकों, हेल्थकेयर संस्थानों और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में करियर बना सकते हैं।

BPharm (Bachelor of Pharmacy)

दवा निर्माण, रिसर्च और फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए B.Pharm एक अच्छा विकल्प है। इस कोर्स के बाद छात्र फार्मासिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर या फार्मा कंपनियों में विभिन्न पदों पर काम कर सकते हैं।

Bachelor of Occupational Therapy (BOT)

यह कोर्स उन मरीजों की सहायता से जुड़ा है जो चोट, बीमारी या किसी शारीरिक समस्या के कारण दैनिक गतिविधियां करने में कठिनाई महसूस करते हैं। Occupational Therapists की मांग अस्पतालों और पुनर्वास केंद्रों में बढ़ रही है।

BMLT (Bachelor in Medical Laboratory Technology)

मेडिकल जांच और डायग्नोस्टिक सेवाओं में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए BMLT एक अच्छा विकल्प है। लैब टेक्नोलॉजिस्ट विभिन्न मेडिकल टेस्ट और रिपोर्ट तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

BSc Radiology and Imaging Technology

इस कोर्स में एक्स-रे, MRI, CT Scan और अन्य मेडिकल इमेजिंग टेक्निक की पढ़ाई कराई जाती है। अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों में इस क्षेत्र के प्रोफेशनल्स की मांग रहती है।

BSc Operation Theatre Technology

ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी के दौरान टूल्स और टेक्निकल प्रोसेस का मैनेजमेंट करने वाले एक्सपर्ट को तैयार करने के लिए यह कोर्स कराया जाता है। हेल्थकेयर सेक्टर में इसकी भी अच्छी मांग है।

मेडिकल क्षेत्र में अवसरों की कमी नहीं

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होने के साथ-साथ डॉक्टरों के अलावा पैरामेडिकल, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, फार्मेसी और मेडिकल टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रोफेशनल की जरूरत भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में MBBS के अलावा ये कोर्स भी छात्रों को मेडिकल क्षेत्र में स्थिर और सम्मानजनक करियर बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। एजेंसी।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस
जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...
एलआईसी का
जीवन
उत्सव
उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका
Plan No.: 871
UIN: 512N363V01
आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ
ऑनलाइन भी उपलब्ध
पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प
● सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
● प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
● नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
● न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख
एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...
एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-
सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955
हर पल आपके साथ

डिजिटल युग में संगठन को नई दिशा: कोसाबाड़ी मंडल में भाजपा की डीएलपी प्रशिक्षण संपन्न

भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल ने डिजिटल संगठन की आवश्यकता पर दिया जोर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा कोसाबाड़ी मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म (डीएलपी) प्रशिक्षण एवं मासिक कार्यकारणी की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को आधुनिक डिजिटल तकनीक से जोड़ते हुए बूथ स्तर पर संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी, सशक्त एवं गतिशील बनाना रहा।

भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समय के साथ स्वयं को निरंतर आधुनिक बना रही है। डिजिटल तकनीक संगठन की मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है और प्रत्येक कार्यकर्ता का डिजिटल रूप से दक्ष होना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक से सशक्त कार्यकर्ता ही संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

कार्यशाला का आयोजन कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व पार्षद एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के पूर्व जिला संयोजक विकास अग्रवाल ने डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान दौर में तकनीक के बिना संगठनात्मक कार्यों की गति और प्रभाव दोनों अधूरे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग कर पार्टी की नीतियों, योजनाओं और विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म (डीएलपी) पर पंजीयन, ऑनलाइन प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग तथा संगठनात्मक गतिविधियों को तकनीक के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाने की जानकारी दी गई। साथ ही यह बताया गया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कार्यकर्ता किसी भी समय प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी कार्यक्षमता को निरंतर विकसित कर सकते हैं

कार्यक्रम में चिकित्सक दिवस पर रायपुर

मुख्य वक्ता विकास अग्रवाल ने कहा- वर्तमान दौर में तकनीक के बिना संगठनात्मक कार्यों की गति और प्रभाव दोनों अधूरे हैं

संभाग सह प्रभारी डॉ राजीव सिंह को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कोसाबाड़ी मण्डल द्वारा किया गया और कार्यक्रम को सफल बनाने में मण्डल प्रभारी संजय शर्मा, जिला उपाध्यक्ष योगेश जैन, श्रीमती मंजू सिंह, पार्षद नरेंद्र देवांगन, प्रकाश अग्रवाल, ललेश दुबे, श्रीमती अंजना सिंह, श्रीमती सपना झा, डीएलपी मंडल संयोजन करन राजपाल, तकनीकी प्रभारी हेमंत चंद्रा, मंडल महामंत्री मिलाप राम बरेठ, पुनि राम साहू, कोषाध्यक्ष अनिल वस्त्रकार, पार्षद गण मंडल मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, और संयोजक/सह संयोजक कार्यकर्ता कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता था और डिजिटल भारत के साथ डिजिटल संगठन की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी पहल माना गया।

सार्वजनिक शौचालय की स्थिति बदहाल

पाली (दिव्य आकाश)।

नगर पंचायत पाली के बस स्टैंड परिसर में संचालित सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालय पिछले लगभग 20 दिनों से बदहाल स्थिति में है। शौचालय के रखरखाव में लापरवाही के कारण पुरुष एवं महिला दोनों शौचालयों की मूलभूत सुविधाएं प्रभावित हो गई हैं। पुरुष शौचालय का दरवाजा और पानी का नल टूटा हुआ है, वहीं महिला शौचालय का दरवाजा भी हिल रहा है महिलाओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

बस स्टैंड क्षेत्र नगर का प्रमुख आवागमन केंद्र होने के कारण यहां प्रतिदिन सैकड़ों यात्री, स्थानीय नागरिक तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने

वाले लोग शौचालय का उपयोग करते हैं, लेकिन शौचालय की जर्जर स्थिति और नियमित साफ-सफाई के अभाव में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। टूटे हुए दरवाजों के कारण उपयोगकर्ताओं की निजता प्रभावित हो रही है, जिससे विशेष रूप से महिला यात्रियों में असुरक्षा और असहजता का माहौल बना हुआ है।

कोरबा प्रेस क्लब को 'आदर्श क्लब' का रूप देने सुबह पहुंचे निगम आयुक्त पाण्डेय, विस्तार और सौंदर्यीकरण के लिए दिए निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा प्रेस क्लब को एक आदर्श प्रेस क्लब के रूप में विकसित करने की दिशा में बुधवार सुबह नगर पालिक निगम के आयुक्त आशुतोष पांडेय ने प्रेस क्लब परिसर का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने क्लब की नवनिर्वाचित प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों से विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

निगम आयुक्त ने प्रेस क्लब परिसर में आवश्यक विस्तार कार्यों और इसके सौंदर्यीकरण को लेकर मौके पर ही मौजूद मातहत अधिकारियों को पूरे परिसर का सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब को बेहतर और आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए जल्द ही रूपरेखा तैयार कर काम शुरू किया जाएगा।

निगम आयुक्त के इस दौरे के दौरान प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नौशाद खान, उपाध्यक्ष राजकुमार शाह, सचिव दिनेश राज, सह सचिव हरीश तिवारी और प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य नवाब हुसैन विशेष रूप से उपस्थित थे। पदाधिकारियों ने आयुक्त को क्लब की प्राथमिकताओं और आवश्यक जरूरतों से अवगत कराया। इस दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, उपायुक्त नीरज कौशिक, अभियंता सोमनाथ डहरे व विनोद गोंड, सफाई इंस्पेक्टर सचींद्र थवाईत समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे, जिन्हें आयुक्त ने विकास कार्यों के संबंध में आवश्यक तकनीकी दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर विशेष रूप से वार्ड पार्षद पंकज देवांगन भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को मिला छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ का सहयोग

कोरबा (दिव्य आकाश)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा रामसागरपारा स्थित वार्ड क्रमांक-1 के बूथ क्रमांक-174 में पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान में छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने तथा अभिभावकों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में वार्ड की मितानिन विमल जगत, एएनएम कृष्णा कुशवाहा, एमपीडब्ल्यू पुष्पा मिरी एवं महेंद्र सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने अभिभावकों को पोलियो उन्मूलन के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की दो बूंद पिलाना आवश्यक है, ताकि देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने का लक्ष्य पूरा हो सके। अभियान के दौरान बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के साथ चॉकलेट का भी वितरण किया गया। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के सदस्यों ने बूथ पर पहुंचकर अभिभावकों को बच्चों सहित टीकाकरण केंद्र तक लाने और अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने में सहयोग किया। इस अवसर पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, जिला अध्यक्ष विपेंद्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, मीडिया प्रभारी रामायण सिंह (रामा), प्रवक्ता अनिल गिरी, राजकुमार पटेल, दिलीप यादव, राहुल, विजय, दीपक, रंजन ओंकार, हर्ष नेताम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने समाज से अपील की कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे और 'हर बच्चा, हर बार - पोलियो की दो बूंद ज़रूर' के संदेश के साथ अभियान को सफल बनाया।

जिले में 'विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन' का शुभारंभ

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिले में 'विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (जी-रामजी)' के शुभारंभ के अवसर पर जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान तिरुपति (आंध्र प्रदेश) से केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुभारंभ किए गए राष्ट्रीय कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण जिला एवं जनपद पंचायतों में देखा गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.पवन कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कोरबा दिनेश कुमार नाग, उपसंचालक पंचायत मिथलेश किसान, जनप्रतिनिधि, योजना के हितग्राही, महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्य तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में डॉ. पवन कुमार सिंह ने कहा कि विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (जी-रामजी) विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से प्रत्येक पंजीकृत ग्रामीण परिवार को

अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का मांग आधारित गारंटीशुदा रोजगार मिलेगा। साथ ही छत्तीसगढ़ में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी दर रू.262 से बढ़ाकर रू.300 प्रतिदिन कर दी गई है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

उन्होंने कहा कि मनरेगा से विकसित भारत जी-रामजी तक की यह यात्रा ग्रामीण विकास की नई दिशा तय करती है। योजनाएं तभी सफल होती हैं जब उनका प्रभावी क्रियान्वयन हो। सभी ग्राम पंचायतों में गुणवत्तापूर्ण कार्य कर जिले को आदर्श जिला बनाने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग ने योजना की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण अधोसंरचना विकास, आजीविका संवर्धन तथा कौशल विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

|| श्री गणेशम्कािभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

सीएसईबी चौक | दु.नं.7 शिव हर्बल अल्का काम्प्लेक्स | स्टेडियम रोड | ट्रांसपोर्ट नगर चौक | मुड़ापार रोड | पावरहाउस रोड

पतंजलि | श्रीश्री AYURVEDA | बैद्यनाथ | Dabur | SNA | ZANDU

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

Anti Aging
Anti Wrinkles
Clear Skin Tone
Fairness
Glowing Youthful Skin
Dark Spots Lightening
Keeping your skin healthy & young
Avocado Cream — total skin care in just 7 days

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

सुमित्रानन्दन पन्त

पर्वत प्रदेश में पावस

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।

मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,

अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,

जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल!

गिरी का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर

मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!

गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर

है झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर।

उड़ गया,अचानक लो,भूधर
फड़का अपार पारद1 के पर!

रव-शेष रह गए हैं निर्झर!
है टूट पड़ा भू पर अंबर!

धँस गए धरा में सभय शाल!
उठ रहा धुआँ,जल गया ताल!

यों जलद-यान में विचर-विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
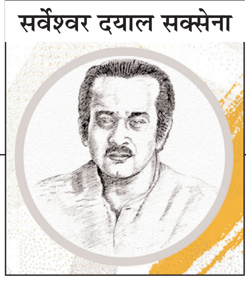

तुम्हारे साथ रहकर

तुम्हारे साथ रहकर
अक्सर मुझे ऐसा महसूस हुआ है

कि दिशाएँ पास आ गई हैं,
हर रास्ता छोटा हो गया है,

दुनिया सिमटकर
एक आँगन-सी बन गई है

जो खचाखच भरा है,
कहीं भी एकांत नहीं

न बाहर, न भीतर।
हर चीज़ का आकार घट गया है,

पेड़ इतने छोटे हो गए हैं
कि मैं उनके शीश पर हाथ रख

आशीष दे सकता हूँ,
आकाश छाती से टकराता है,

मैं जब चाहूँ बादलों में मुँह छिपा सकता हूँ।
तुम्हारे साथ रहकर

अक्सर मुझे महसूस हुआ है
कि हर बात का एक मतलब होता है,

यहाँ तक कि घास के हिलने का भी,
हवा का खिड़की से आने का,

और धूप का दीवार पर
चढ़कर चले जाने का।

तुम्हारे साथ रहकर
अक्सर मुझे लगा है

कि हम असमर्थताओं से नहीं
संभावनाओं से घिरे हैं,

हर दीवार में द्वार बन सकता है
और हर द्वार से पूरा का पूरा

पहाड़ गुज़र सकता है।
शक्ति अगर सीमित है

तो हर चीज़ अशक्त भी है,
भुजाएँ अगर छोटी हैं,

तो सागर भी सिमटा हुआ है,
सामर्थ्य केवल इच्छा का दूसरा नाम है,

जीवन और मृत्यु के बीच जो भूमि है
वह नियति की नहीं मेरी है।

अतीत के चलचित्र

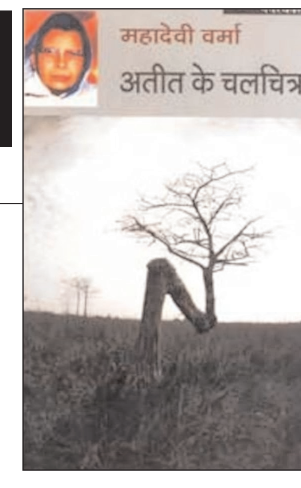

स्त्री जब किसी साधना को अपना स्वभाव और किसी सत्य को अपनी आत्मा बना लेती है, तब पुरुष उसके लिए न महत्त्व का विषय रह जाता है, न भय का कारण, इस सत्य को मान लेना पुरुष के लिए कभी सम्भव नहीं हो सका। अपनी पराजय को बलात् जय का नाम देने के लिए सम्भवतः वह अनेक विषम परिस्थितियों और संकीर्ण सामाजिक धार्मिक बन्धनों में उसे बाँधने का प्रयास करता रहता है। साधारण रूप से वैभव के साधन नहीं, मुट्ठी भर अन्न भी स्त्री के सम्पूर्ण जीवन से भारी ठहरता है। फिर भी स्त्री को हारा हुआ मेरा मन कैसे स्वीकार करे, जब तक उसकी परिस्थितियों से चूर-चूर हृदय में भी आलोक की लौ जल रही है।

अतीत के चलचित्र: कहानी के मुख्य प्रसंग

वास्तविक पवित्रता का प्रमाण तो यही है कि मलिन-से-मलिन दृष्टि भी उसका स्पर्श कर पवित्र हो जावे, इस सत्य को समझना सहज ही नहीं

हृदय से इतनी स्वच्छ लछमा को बाहर से मलिन ही रहना पड़ता

अपटु परिश्रम और साधनहीनता

मेरे-अपने बीच का अन्तर वह अपनी सहज समता से भर लेती है।

अपने दु:ख में न इतनी अस्थिर है, न हल्की कि उसे मेरे सहारे की आवश्यकता जान पड़े।

कँटीली डालियों से छिदे हाथों और पैने पत्थरों से क्षतविक्षत पैरों वाली मलिन, पर हास से उज्ज्वल

आनन्द के प्रकाशन के लिए मेरे निकट कला ही नहीं, पशु-पक्षी, पेड़- पौधे भी महत्त्व रखते हैं, क्योंकि उन पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त करके मुझे पूर्ण सन्तोष हो जाता है।

आशा के दुराशा सिद्ध होने पर भी लछमा की उजली हँसी निराशा की छाया से म्लान नहीं हुई।

पागल लड़के की बुद्धिमति और परिश्रमी बहू को सास-ससुर चाह सकते हैं, पर देवर- जेठों के लिए तो वह एक समस्या ही हो सकती है।

स्त्री में माँ का रूप ही सत्य, वात्सल्य ही शिव और ममता ही सुन्दर है । जब वह इन विशेषताओं के साथ पुरुष के जीवन में प्रतिष्ठित होती है, तब उसका रिक्त स्थान भर लेना असम्भव नहीं तो, कठिन अवश्य हो जाता है ।

वह जीवन-रस से जितनी निचुड़ी हुई थी, दु:ख में उतनी ही भीगकर भारी हो उठी, इसी कारण उसमें न वह शून्यता थी, जो दृष्टि को रोक नहीं पाती और न वह हल्कापन, जो हृदय को स्पर्श करने की शक्ति नहीं रखता।

दु:ख एक प्रकार श्रृंगार भी बन जाता है, इसी कारण दु:खी व्यक्तियों के मुख, देखने वाले की दृष्टि को बाँधे बिना नहीं रहते।

'अतीत के चलचित्र' हिन्दी गद्य की एक अप्रतिम रचना है। इतने दिनों बाद आज भी संवेदना के वे धरातल अछूते और अपूर्व हैं जिनकी सृष्टि इन रेखाचित्रों द्वारा हुई थी। मानवीय सहानुभूति और संवेगों की गहनता के लिए इन्हें चिरकाल तक हिन्दी साहित्य का शीर्षस्थ पद प्राप्त रहेगा।

निर्जीव मिट्टी की सजीव विषमता ही उसका ध्यान आकर्षित कर सकी और न सजीव रक्त-मांस की निर्जीव कुरूरता ही उसकी समाधि-भंग करने का सामर्थ्य पा सकी।

नियति के व्यंग से जीवन और संसार के छल से मृत्यु पाने वाला अलोपी क्या मेरी ममता के लिए प्रेत होकर मँडराता रहेगा?

सन्देश मिला कि अलोपी मुझे देखने की आज्ञा चाहता है। उतने कष्ट के समय भी मुझे हँसी आये बिना न रह सकी । अन्धा अलोपी असंख्य बार आज्ञा पाकर भी मुझे देखने में समर्थ कैसे हो सकता था। पर अलोपी भीतर आया और नमस्कार कर टटोलता-टटोलता देहली के पास बैठ गया।

अलोपी के नेत्र नहीं थे, इसी से सम्भवतः वह न प्रकृति के रौद्र रूप से भयभीत होता था और न उसके सौन्दर्य से बहकता था।

हमारा जटिल-से-जटिलतम होता हुआ अन्तर्जगत् और कृत्रिम बनता हुआ जीवन, ऐसी स्थिति उत्पन्न किये बिना नहीं रहता, जिसमें बाहर के बगुलेपन को भीतर की सड़ी-गली मछलियों से सफेदी मिलने लगती है । इसी से हमारी तारतम्यहीन कथा अधिकाधिक अकथनीय बनती जाती है और सुख-दु:ख की सरल मार्मिकता निर्जीव होने लगती है।

भिखारी की आवश्यकता से अधिक मुझे अपनी शिष्टता की परीक्षा का ध्यान था।

हमारी शिष्टता की परीक्षा तब नहीं हो सकती, जब कोई बड़ा अतिथि हमें अपनी कृपा का दान देने घर में आता है, वरन् उस समय होती है, जब कोई भूला-भटका भिखारी द्वार पर खड़ा होकर हमारी दया के कण के लिए हाथ फैला देता है ।

समाज के पास वह जादू की छड़ी है, जिससे छूकर वह जिस स्त्री को सती कह देती है, केवल वही सती का सौभाग्य प्राप्त कर सकती है ।

जिनकी भूख जूठी पत्तल से बुझ सकती है, उनके लिए परोसा लगाने वाले पागल होते हैं।

तब मैंने जाना कि जीवन का खरा सोना छिपाने के लिए उस मलिन शरीर को बनाने वाला ईश्वर उस बूढ़े आदमी से भिन्न नहीं, जो अपनी सोने की मोहर को कच्ची मिट्टी की दीवार में रखकर निश्चिन्त हो जाता है।

समय के सम्बन्ध में क्या कहा जाय, जिसका कभी एक क्षण वर्ष-सा बीतता है और कभी एक वर्ष क्षण हो जाता है।

कोई अपने गिलट के कड़े-युक्त हाथ घड़े की ओट में छिपाने का प्रयत्न-सा करती रहती है और कोई चाँदी के पछेली-ककना की झनकार के साथ ही बात करती है । किसी के कान में लाख की पैसे वाली तरकी धोती से कभी-कभी झाँकभर लेती है और किसी की ढारें लम्बी जंजीर से गला और गाल एक करती रहती है। किसी के गुदना गुदे गेहुँए पैरों में चाँदी के कड़े सुडौलता की परिधि-सी लगती हैं और किसी की फैली उँगलियों और सफेद एड़ियों के साथ मिली हुई स्याही राँगे और काँसे के कड़ों को लोहे की साफ की हुई बेड़ियाँ बना देती है।

27 वर्ष की अवस्था में मुझे 18 वर्षीय लड़की और 22 दिन के नाती का भार स्वीकार करना ही पड़ा।

युगों से पुरुष स्त्री को उसकी शक्ति के लिए नहीं, सहनशक्ति के लिए ही दण्ड देता आ रहा है।

स्त्रियाँ अपने शिशु को गोद में लेकर साहस से कह सके कि 'बर्बरो, तुमने हमारा नारीत्व, पत्नीत्व सब ले लिया, पर हम अपना मातृत्व किसी प्रकार न देंगी' तो इनकी समस्याएँ तुरन्त सुलझ जावें।

स्त्री अपने बालक को हृदय से लगाकर जितनी निर्भर है, उतनी किसी और अवस्था में नहीं।

कीचड़ से कीचड़ को धो सकना न सम्भव हुआ है न होगा, उसे धोने के लिए निर्मल जल चाहिए।

पुस्तक: परिचय

इस पुस्तक में महादेवी वर्मा जी के संस्मरणों पर आधरित उनके द्वारा ही रचित रेखाचित्र हैं। अतीत के चलचित्र महादेवी वर्मा द्वारा रचित एक रेखाचित्र है। इसमें लेखिका हमारा परिचय रामा, भाभी, बिन्दा, सबिया, बिट्टो, बालिका माँ, घीसा, अभागी स्त्री, अलोपी, बबलू तथा अलोपा इन ग्यारह चरित्रों से करवाती हैं।

लेखक: परिचय

आधुनिक युग की मीरा कही जाने वाली महादेवी वर्मा का जन्म उत्तर प्रदेश के फ़र्रुख़ाबाद में होली के दिन 1907 में हुआ था। उनकी आरंभिक शिक्षा उज्जैन में हुई और एम. ए. उन्होंने संस्कृत में प्रयाग विश्वविद्यालय से किया। बचपन से ही चित्रकला, संगीतकला और काव्यकला की ओर उन्मुख महादेवी विद्यार्थी जीवन से ही काव्य प्रतिष्ठा पाने लगी थीं। वह बाद के वर्षों में लंबे समय तक प्रयाग महिला विद्यापीठ की प्राचार्या रहीं। वह इलाहाबाद से प्रकाशित 'चाँद' मासिक पत्रिका की संपादिका थीं और प्रयाग में 'साहित्यकार संसद' नामक संस्था की स्थापना की थी।

'निराला वैशिष्ट्य' की स्वामिनी महादेवी वर्मा छायावाद की चौथी स्तंभ भी कही जाती हैं। प्रणय एवं वेदनानुभूति, जड़ चेतन का एकात्म्य भाव, सौंदर्यानुभूति, मूल्य चेतना, रहस्यात्मकता उनकी मुख्य काव्य-वस्तु है। वह प्रधानतः गीति कवयित्री हैं, जिनके काव्य में परंपरा और मौलिकता का अद्वितीय समन्वय नज़र आता है। शब्द-निरूपण, वर्ण-विन्यास, नाद-सौंदर्य और उक्ति-सौंदर्य-सभी दृष्टियों से वह भाषा पर सहज अधिकार रखती हैं। उन्होंने अपने काव्य में प्रतीकात्मक संकेत-भाषा का प्रयोग किया है, जिसमें छायावादी प्रतीकों के साथ ही मौलिक प्रतीकों का भी कुशल प्रयोग हुआ है। उनका वर्ण-परिज्ञान उनके बिंब-विधान की प्रमुख विशेषता है। चाक्षुष, श्रव्य, स्पर्शिक बिंबों में उनकी विशेष रुचि रही है। अप्रस्तुत के माध्यम से प्रस्तुत के साम्य गुणों का चित्रण वह बख़ूबी करती हैं। रूपक, अन्योक्ति, समासोक्ति तथा उपमा उनके प्रिय अलंकार हैं। उनके संबंध में कहा गया है कि छायावाद ने उन्हें जन्म दिया था और उन्होंने छायावाद को जीवन दिया।

उन्होंने कविताओं के साथ ही रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, डायरी आदि गद्य विधाओं में भी योगदान किया है। 'नीहार', 'रश्मि', 'नीरजा', 'सांध्य गीत', 'यामा', 'दीपशिखा', 'साधिनी', 'प्रथम आयाम', 'सप्तपर्णा', 'अग्निरेखा' उनके काव्य-संग्रह हैं। रेखाचित्रों का संकलन 'अतीत के चलचित्र' और 'स्मृति की रेखाएँ' में किया गया है। 'श्रृंखला की कड़ियाँ', 'विवेचनात्मक गद्य', 'साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध', 'संकल्पिता', 'हिमालय', 'क्षणदा' उनके निबंधों का संकलन है।

वह साहित्य अकादेमी की सदस्यता प्राप्त करने वाली पहली लेखिका थीं। भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण और पद्म विभूषण पुरस्कारों से सम्मानित किया। उन्हें यामा के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने उनके सम्मान में जयशंकर प्रसाद के साथ युगल डाक टिकट भी जारी किया।

अतीत के चलचित्र: पुस्तक समीक्षा

अतीत के चलचित्र में उन्होंने अपने जीवन की विविध घटनाओं तथा चरित्र के विभिन्न पहलुओं का प्रत्यारोपण अनायास ही किया है। उन्होंने अनुभूत सत्यों को जस-का-तस अंकित किया है।

महादेवी के रेखाचित्रों की यह विशेषता भी है, कि उनमें चरित्र चित्रण का तत्त्व प्रमुख रहा है और कथ्य उसी का एक हिस्सा मात्र है। इनमें गंभीर लोक दर्शन का उद्घाटन होता चलता है, जो हमारे जीवन की सांस्कृतिक धारा की ओर इंगित करता है। 'अतीत के चल-चित्र' में सेवक 'रामा' की वात्सल्यपूर्ण सेवा, भंगिन 'सबिया' का पति-परायणता और सहनशीलता, 'घीसा' की निश्छल गुरुभक्ति, साग-भाजी बेचने वाले अंधे 'अलोपी' का सरल व्यक्तित्व, कुम्हार 'बदलू' व 'रधिया' का सरल दांपत्य प्रेम तथा पहाड़ की रमणी 'लछमा' का महादेवी के प्रति अनुपम प्रेम, यह सब प्रसंग महादेवी के चित्रण की अकूत क्षमता का परिचय देते हैं।

महादेवी वर्मा
(26 मार्च 1907 — 11 सितम्बर 1987)

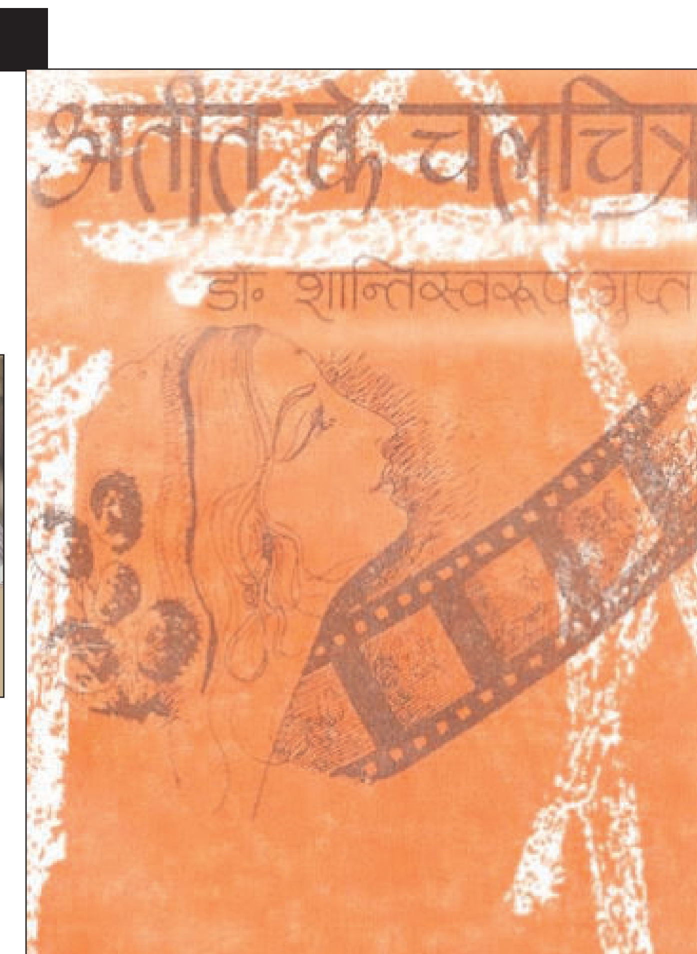

सबले बढ़िया... छत्तीसगढ़ी गाना

पता देजा रे पता लेजा रे
गाड़ीवाला
तोर गांव के तोर काम के तोर
नाम के पता देजा
पता देजा रे पता लेजा रे
गाड़ीवाला

का तोर गांव के पार दिवाना
डाकखाना के पता का
नाम का थाना कछेरी के तोरे
पारा मोहल्ला जघा का
को तोरे राज उत्ती बुड़ती रेलवाही
का हवे सड़किया

पता देजा रे पता लेजा रे
गाड़ीवाला

मया नि चिन्हे रे देशी बिदेशी
मया के मोल ना तोल
जात बिजात ना जाने रे मया
मया मयारू के बोल
काया माया सब नाच नचाये
मया के एक नजरिया

पता देजा रे पता लेजा रे
गाड़ीवाला

जियत जागत रईबे रे बैरी
भेजबे कभुले चिठिया
बिना बोले भेद खोले रोये
जाने अजाने पिरितिया
बिन बरसे उमड़े घुमड़े जीव
मया के बैरी बदरिया

पता देजा रे पता लेजा रे
गाड़ीवाला

बालको के नवीनीकृत जुबली पार्क का लोकार्पण

कोरबा विधायक एवं मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में लोकार्पित

बालको की वजह से क्षेत्र का संपूर्ण विकास संभव- मंत्री लखन

बालको की यह विकास यात्रा पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा सिविक सेंटर स्थित नवीनीकृत जुबली पार्क का लोकार्पण छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया। उद्घाटन समारोह में कोरबा नगर निगम की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह, वार्ड 43 पार्षद हितानंद अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, बालको के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने पार्क का भ्रमण कर विकसित की गई आधुनिक सुविधाओं, बच्चों के मनोरंजन क्षेत्र, वरिष्ठ नागरिकों के विश्राम स्थल, हरित परिसर एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय के सदस्यों ने बालको द्वारा नागरिक अधोसंरचना एवं हरित सार्वजनिक स्थलों के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, नवीनीकृत जुबली पार्क हरित वातावरण, योग एवं वॉकिंग ट्रैक तथा बच्चों के लिए विकसित आकर्षक सुविधाओं के माध्यम से सभी आयु वर्ग के लोगों को लाभान्वित करेगा। बालको ने सड़क निर्माण, सामुदायिक भवन, महिला सशक्तिकरण तथा अन्य जनकल्याणकारी पहल के माध्यम से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उद्योग क्षेत्र के विकास से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलती है। मुझे विश्वास है कि बालको विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाते हुए पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा। मैं इस सराहनीय पहल के लिए बालको प्रबंधन तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करता हूँ।

औद्योगिक विकास के साथ नागरिक अधोसंरचना के विकास के लिए बालको प्रतिबद्ध-सीईओ राजेश कुमार सिंह

बालको के सीईओ राजेश कुमार सिंह ने कहा, 'बालको क्षेत्र में औद्योगिक विकास के साथ-साथ सामाजिक एवं नागरिक अधोसंरचना के विकास में भी निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। नवीनीकृत जुबली पार्क इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह नागरिकों को मनोरंजन, स्वास्थ्य और सामुदायिक सहभागिता के लिए एक उत्कृष्ट सार्वजनिक स्थल प्रदान करेगा। इस सराहनीय पहल के लिए मैं बालको की पूरी टीम को बधाई देता हूँ तथा समुदाय का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिसने हमारे कार्यों पर निरंतर विश्वास बनाए रखा है।

वर्ष 1990 में बालको की रजत जयंती (सिल्वर जुबली) के अवसर पर स्थापित जुबली पार्क का पुनर्विकास कर इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक एवं सुरक्षित खेल उपकरण, सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए ओपन जिम, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष बैठक एवं विश्राम क्षेत्र, योग एवं ध्यान के लिए समर्पित योगा प्लेटफॉर्म तथा स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आकर्षक वॉकिंग ट्रैक विकसित किया गया है।

यह पार्क स्वास्थ्य, मनोरंजन, योग, फिटनेस एवं सामाजिक सहभागिता के लिए एक आदर्श सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया गया है। बालको की यह पहल टाउनशिप एवं आसपास के क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में यह पार्क स्वास्थ्य, मनोरंजन, सामाजिक मेलजोल एवं सामुदायिक जुड़ाव का प्रमुख केंद्र बनेगा।

बालको ने सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया - महापौर संजू देवी

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा, बालको ने सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सड़क निर्माण, सामुदायिक भवन, नेहरू नगर में नाला निर्माण में सहयोग सहित अनेक जनहितकारी परियोजनाओं के माध्यम से निरंतर सिद्ध किया है। मैं इस प्रेरणादायी पहल के लिए बालको एवं राजेश कुमार सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

बालको अस्पताल का पल्स पोलियो अभियान :

2,357 घरों तक पहुंची स्वास्थ्य टीम...

12 से अधिक स्थानों पर लगाया शिविर, सीईओ ने किया शुभारंभ, पिलाया पोलियो ड्राप

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में अपनी भागीदारी निभाई। बालको अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक सिन्हा के नेतृत्व में 800 से अधिक बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी गई। अभियान की शुरुआत बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में अस्पताल से की गई। अस्पताल के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीमों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अभियान को सफल बनाया।

बालको अस्पताल द्वारा 12 से अधिक प्रमुख स्थानों पर अस्थायी शिविर एवं चलित मोबाइल वैन के माध्यम से टीकाकरण किया गया। इनमें बालको अस्पताल सहित भदरापारा, कैलाश नगर, परसाभाठा, चेकपोस्ट, सतनाम नगर, दैहानपारा, बालको बस स्टैंड, बेलगिरी बस्ती, सेक्टर-3 दुर्गापूजा पंडाल तथा सेक्टर-4 गैस एजेंसी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त मोबाइल वैन के माध्यम से भी विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी गई। साथ ही 2357 घरों तक जाकर दो दिन 'डोर टू डोर' अभियान चलया गया, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो टीकाकरण से वंचित न रहे। अभियान के दौरान विशेष रूप से बस स्टैंड और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में शिविर लगाए गए, जिससे यात्रा कर रहे परिवारों के बच्चों को भी दवा पिलाई जा सके। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा अभिभावकों को पोलियो उन्मूलन के महत्व के प्रति जागरूक भी किया गया।

बालको के सीईओ राजेश कुमार सिंह ने कहा 'पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से समुदाय को सुरक्षित रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। इस टीकाकरण अभियान का उद्देश्य केवल बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करना भी है। हमें प्रसन्नता है कि इस अभियान में बड़ी संख्या में परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बालको समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने तथा एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान निरंतर जारी रखेगा। सेक्टर-3 के निवासी सोमनाथ पटेल ने कहा, 'मेरी दो वर्ष की बेटी को बालको अस्पताल में पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई। स्वास्थ्य टीम हमारे घर भी पहुंची और यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। पोलियो मुक्त भारत के इस अभियान में उनके प्रयासों के लिए मैं अस्पताल की पूरी टीम का आभार व्यक्त करता हूँ। 125-बेड वाला बालको अस्पताल कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर और जांजगीर-चांपा जिलों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकार के सभी राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कर सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से निभा रहा है।

वेदांता स्किल स्कूल से 13,000 से अधिक युवाओं को मिला आत्मनिर्भरता का नया आधार

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

युवाओं को उद्योगोन्मुख कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ रहा है बालको

तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य में कुशल मानव संसाधन की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ग्रामीण युवाओं, विशेषकर जनजातीय समुदाय के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। कंपनी द्वारा संचालित वेदांता स्किल स्कूल के माध्यम से युवाओं को उद्योगोन्मुख कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। कोरबा, सरगुजा और कवर्धा में संचालित इन प्रशिक्षण केंद्रों से अब तक 13,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिससे वे आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में अग्रसर हुए हैं।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, बेंगलुरु में ऑपरेटर (एफएलएबी) के रूप में कार्यरत लाभार्थी निशा यादव ने कहा, 'ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली एक लड़की के लिए तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं था, लेकिन वेदांता स्किल स्कूल ने मुझे यह विश्वास दिलाया कि प्रतिभा और मेहनत का कोई लिंग नहीं होता। यहां मिले व्यावहारिक प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास और उद्योगों से जुड़ाव ने मुझे आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया। आज मैं टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में कार्यरत हूं, अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भागीदारी निभा रही हूं और अपनी मां के उपचार में सहयोग कर पा रही हूं। यह केवल मेरी नौकरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार के लिए सम्मान, सुरक्षा और नए सपनों की शुरुआत है।'

महाराष्ट्र के धुले स्थित कृष्नाई होटल के फूड एंड बेवरेज विभाग में कैप्टन के रूप में कार्यरत लाभार्थी वंदना निराला ने कहा, 'वेदांता स्किल स्कूल ने मेरे जीवन को नई दिशा और नई पहचान दी। मैंने एक स्टुअर्ड के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन यहां मिले प्रशिक्षण, संचार कौशल, पेशेवर व्यवहार और नेतृत्व क्षमता के विकास ने मुझे आज कैप्टन के पद तक पहुंचाया है। सबसे अधिक संतोष इस बात का है कि मैं अपने माता-पिता का सहारा बन सकी, अपने भाइयों की शिक्षा में सहयोग कर सकी और परिवार के नए घर के निर्माण में योगदान दे पाई। मेरी सफलता यह साबित करती है कि सही अवसर और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण किसी भी युवा के सपनों को नई उड़ान दे सकता है।'

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के विनोद कुम्हार ने वेदांता स्किल स्कूल से मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपना स्वयं का 'विनोद मोबाइल रिपेयरिंग' व्यवसाय शुरू किया। उन्होंने कहा, 'मैं रोजगार की तलाश में था, लेकिन वेदांता स्किल स्कूल ने मुझे रोजगार देने वाला उद्यमी बनने का आत्मविश्वास दिया। यहां प्राप्त तकनीकी प्रशिक्षण, व्यावसायिक समझ और ग्राहक सेवा से जुड़ी सीख ने मुझे अपना मोबाइल रिपेयरिंग व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। आज मैं अपना स्वयं का व्यवसाय सफलतापूर्वक संचालित कर रहा हूं और सम्मानजनक आय अर्जित कर अपने परिवार का सहारा बना हूं। मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि मैंने आत्मनिर्भर बनने के साथ यह विश्वास भी हासिल किया कि कौशल ही सबसे बड़ी पूंजी है और यही बेहतर भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।'

नि:शुल्क आवासीय व्यावसायिक प्रशिक्षण से बड़ी-बड़ी कम्पनियों में सेवा दे रहे युवा

वेदांता स्किल स्कूलों में युवाओं को पूर्णत: नि:शुल्क आवासीय व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बन सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित किए जाते हैं। इन केंद्रों में वेल्डर, फिटर, हॉस्पिटैलिटी, सिलाई मशीन ऑपरेटर, सोलर पीवी तकनीशियन, मोबाइल रिपेयरिंग और इलेक्ट्रीशियन सहित सात प्रमुख ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वित्त वर्ष 2026 में 1,202 युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा गया। प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को फॉक्सकॉन, वेलस्पन, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, अडानी, वोल्वो आइशर, बारबेक्यू नेशन तथा टाटा मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग जैसी अग्रणी कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ युवाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित वैल्यू-एडेड मॉड्यूल, औद्योगिक भ्रमण, उद्योग विशेषज्ञों से संवाद, सुरक्षा प्रशिक्षण, कर्मचारी स्वयंसेवकों द्वारा मेंटरशिप तथा एलुमनाई इंटरैक्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और व्यावसायिक दक्षता का विकास करते हैं।

वेदांता स्किल स्कूल गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास और उद्योगों से मजबूत जुड़ाव के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है। बालको का विश्वास है कि कौशल विकास सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला है। कंपनी भविष्य में भी युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर समावेशी विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com